जयनगर प्रखंडक दुल्लीपट्टी निवासी डॉ. झा 18 पुस्तक लिखि चुकल छथि

डॉ. वीरेंद्र झा कैं मैथिली बाल साहित्य मे भेटल साहित्य अकादमी पुरष्कार

कमला प्रभा | जयनगर

जयनगर प्रखंडक दुल्लीपट्टी ग्राम निवासी डॉ. वीरेंद्र झा कैं मैथिली बाल कथा साहित्य मे साहित्य अकादमी पुरष्कार लेल चयनित कयल गेल अछि। हुनकर रचित संग्रह 'उड़नछू' कें साहित्य अकादमी पुरष्कार लेल नामित कयल गेल अछि। बुध दिन ई सूचना भेटिते हुनकर पैतृक ग्राम आओर दुल्लीपट्टी स्थित आवास पर हर्षक माहौल अछि। लोक सभ हुनका बधाई आओर शुभकामना द' रहल छथि।

वीरू बाबू केर नाम सँ चर्चित 63 वर्षीय डॉ. वीरेंद्र झा दुल्लीपट्टी निवासी स्व. धनंजय झाक पुत्र छथि। ओ वर्ष 1975 सँ साहित्य सृजन सँ जुड़ल छथि। एखन धरि मैथिली भाषा मे कथा, कविता, नाटक, उपन्यास सहित विविध विधा मे हुनकर 18 गोट पुस्तक प्रकाशित भ' चुकल अछि। ओ जयनगर केर साहित्यिक संस्था ज्योत्स्ना मंडल केर संस्थापक सदस्य छथि। हुनक धर्मपत्नी प्रभा झा राजकीय कन्या मध्य विद्यालय मधुबनी मे शिक्षिका छथि। पेशा सँ अधिवक्ता डॉ. वीरेंद्र तीन दशक सँ मधुबनी मे रहि रहल छथि।

जयनगर केर साहित्यिक आओर सामाजिक गतिविधि सभमे हुनकर महत्वपूर्ण भूमिका रहैत अछि। साहित्य अकादमी पुरष्कार लेल चयनित भेला पर हुनकर कहब छल जे हुनकर साहित्य साधना के आई सँ आओर बेसी सम्बल भेटल अछि। साहित्य अकादमी पुरष्कार सँ सम्मानित ज्योत्स्ना मंडल जयनगर के अध्यक्ष मैथिली केर यशस्वी साहित्यकार डॉ. कमल कांत झा, दुल्लीपट्टी केर मुखिया सह मुखिया महासंघक जिलाध्यक्ष रूपम कुमारी, सोशल वर्क एंड दुल्लीपट्टी केर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव, शिक्षाविद मनीष कुमार, प्रवीण कुमार झा, अनुमंडल अधिवक्ता सेवक महासचिव चंद्रेश्वर प्रसाद आदि हुनकर चयन पर हर्ष व्यक्त कयलनि। दुल्लीपट्टी केर ग्रामीण आओर जयनगर वासी प्रबुद्ध लोकक कहब छनि जे वीरू बाबू हमर सभक गौरव बढ़ौलनि अछि।